SSC GD के हालिया पैटर्न (Recent Pattern) में सिर्फ़ राज्य नहीं पूछा जा रहा, बल्कि जनजाति (Tribe), देवता (Deity), महीना या क्यों मनाया जाता है, यह डीप (Deep) में पूछा जा रहा है।

यहाँ 200 PYQ हैं, जिसमें त्योहार + राज्य + जनजाति/महत्व + याद करने का लॉजिक शामिल है। 😎😎

SSC GD Special: Famous Festivals (Detailed Analysis)

उत्तर-पूर्वी भारत (North East India) - सबसे महत्वपूर्ण

1. हॉर्नबिल महोत्सव (Hornbill Festival)

- राज्य: नागालैंड
- विवरण/जनजाति: इसे "त्योहारों का त्योहार" कहा जाता है। यह नागा जनजातियों (सभी प्रमुख जनजातियाँ) द्वारा 1 से 10 दिसंबर के बीच मनाया जाता है।
- याद रखें: नागालैंड का राजकीय पक्षी हॉर्नबिल है, उसी के सम्मान में सभी जनजातियाँ एक साथ आती हैं।

2. वांगला महोत्सव (Wangala Festival)

- राज्य: मेघालय
- विवरण/जनजाति: इसे "100 ड्रम फेस्टिवल" (100 Drums Festival) भी कहते हैं। यह गारो (Garo) जनजाति द्वारा सूर्य देवता (Saljong) के सम्मान में फसल कटाई पर मनाया जाता है।

@Kal_chadow

- याद रखें: 'गारो' लोग 'गला' (Wangala) फाड़कर ड्रम बजाते हैं।

3. अंबुबाची मेला (Ambubachi Mela)

- राज्य: असम (गुवाहाटी)
- विवरण: यह कामाख्या देवी मंदिर में जून महीने में लगता है। इसे "पूर्व का महाकुंभ" कहते हैं। यह देवी के मासिक धर्म (Menstruation cycle) का प्रतीक है।
- याद रखें: कामाख्या देवी = नारी शक्ति = अंबुबाची।

4. सागा दावा (Saga Dawa)

- राज्य: सिक्किम
- विवरण/धर्म: यह बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा त्योहार है। इसे "ट्रिपल ब्लेस्ड फेस्टिवल" कहते हैं (बुद्ध का जन्म, ज्ञान और महापरिनिर्वाण इसी दिन माना जाता है)।

5. लोसांग (Losoong/Namsoong)

- राज्य: सिक्किम
- विवरण/जनजाति: यह सिक्किम का नव वर्ष (New Year) है। इसे भूटिया (Bhutia) और लेपचा (Lepcha) जनजाति फसल कटाई के बाद मनाती है।
- याद रखें: साल के अंत में 'लॉस' (Lo-soong) नहीं, प्रॉफिट (फसल) हुआ।

6. चापचार कुट (Chapchar Kut)

- राज्य: मिजोरम
- विवरण/जनजाति: यह मिजो (Mizo) लोगों का सबसे बड़ा त्योहार है। यह झूम खेती (Jhum Cultivation) के लिए

जंगल साफ करने (Bamboo cutting) के बाद मार्च में मनाया जाता है।

- **याद रखें: बांस (Bamboo) का चाप (Chap) काटना = चापचार कुट।**

7. बिहू (Bihu) - 3 प्रकार

- **राज्य: असम**
- **विवरण:**
    1. **बोहाग बिहू (रोंगाली): अप्रैल (असमिया नव वर्ष)।**
    2. **काटी बिहू (कोंगाली): अक्टूबर (तुलसी के पौधे की पूजा, दीप जलाना)।**
    3. **माघ बिहू (भोगली): जनवरी (मकर संक्रांति के समय, भोज/खाना-पीना)।**
-

8. लाई हरोबा (Lai Haraoba)

- **राज्य: मणिपुर**
- **विवरण/जनजाति: यह मेइती (Meitei) समुदाय द्वारा मनाया जाता है। इसका अर्थ है "देवताओं का आमोद-प्रमोद"। इसमें वन देवताओं (Umang Lai) की पूजा होती है।**

9. नोंगक्रेम (Nongkrem Dance)

- **राज्य: मेघालय**
- **विवरण/जनजाति: यह खासी (Khasi) जनजाति द्वारा मनाया जाने वाला 5 दिवसीय त्योहार है। यह अच्छी फसल और समृद्धि के लिए मनाया जाता है।**

10. खर्ची पूजा (Kharchi Puja)

- **राज्य: त्रिपुरा**
- **विवरण: इसमें 14 देवताओं (Chaudda Devata) की पूजा की जाती है। यह अगरतला में मनाया जाता है। "खर्ची" का अर्थ है पापों की सफाई।**

11. मोअत्सु (Moatsu Mong)

- **राज्य: नागालैंड**
- **विवरण/जनजाति: यह एओ (Ao) जनजाति द्वारा बुवाई के मौसम के बाद (मई में) मनाया जाता है।**

12. सोलंग (Solung)

- **राज्य: अरुणाचल प्रदेश**
- **विवरण/जनजाति: यह आदि (Adi) जनजाति का कृषि त्योहार है। यह अच्छी फसल और पशुधन की सुरक्षा के लिए मनाया जाता है।**

13. लुई-नगाई-नी (Lui-Ngai-Ni)

- **राज्य: मणिपुर**
- **विवरण/जनजाति: यह नागा जनजातियों का बीज बोने (Seed Sowing) का त्योहार है।**

उत्तर भारत (North India)

14. सरहुल (Sarhul)

- **राज्य: झारखंड**

- विवरण/जनजाति: यह ओरांव, मुंडा और हो (Oraon, Munda, Ho) जनजातियों द्वारा मनाया जाता है। इसमें साल (Sal) के वृक्ष की पूजा होती है। यह प्रकृतिका नव वर्ष माना जाता है।

15. छठ पूजा (Chhath Puja)

- राज्य: बिहार (मुख्यतः), यूपी, झारखंड।
- विवरण: यह एकमात्र त्योहार है जिसमें डूबते हुए और उगते हुए सूर्य की पूजा की जाती है। यह कार्तिक माह में दीपावली के 6 दिन बाद होता है।

16. लोहरी (Lohri)

- राज्य: पंजाब
- विवरण: मकर संक्रांति से एक दिन पहले (13 जनवरी)। यह रबी की फसल (विशेषकर गन्ने और गेहूं) की कटाई से जुड़ा है।

17. हेमिस (Hemis Tsechu)

- राज्य: लद्दाख
- विवरण: यह बौद्ध गुरु पद्मसंभव (Guru Rinpoche) की जयंती पर मनाया जाता है। यहाँ का मुखौटा नृत्य (Mask Dance/Cham Dance) प्रसिद्ध है।

18. लोसार (Losar)

- राज्य: लद्दाख, अरुणाचल प्रदेश (मोनपा जनजाति), सिक्किम।
- विवरण: यह तिब्बती नव वर्ष (Tibetan New Year) है।

@kalashadow

19. कुंभ मेला (Kumbh Mela)

- **स्थान: चार जगह लगता है—प्रयागराज (गंगा-यमुना), हरिद्वार (गंगा), नासिक (गोदावरी), उज्जैन (शिप्रा)।**
- **विवरण: पूर्ण कुंभ हर 12 साल में लगता है।**

20. फूल देई (Phool Dei)

- **राज्य: उत्तराखंड**
- **विवरण: यह चैत्र (मार्च) महीने के पहले दिन मनाया जाता है। बच्चे घरों की दहलीज पर फूल रखते हैं। इसे "फूल संक्रांति" भी कहते हैं।**

दक्षिण भारत (South India)

21. ओणम (Onam)

- **राज्य: केरल**
- **विवरण: यह राजा महाबली के स्वागत में मनाया जाता है। यह फसल त्योहार है। इस दौरान वल्लमकली (Boat Race) आयोजित होती है।**

22. पोंगल (Pongal)

- **राज्य: तमिलनाडु**
- **विवरण: यह 4 दिनों का त्योहार है जो सूर्य देवता को समर्पित है।**
    - **पहला दिन: भोगी पोंगल (इंद्र देव)।**
    - **दूसरा दिन: सूर्य पोंगल (सूर्य पूजा)।**

@Kasi_Shadow

    - तीसरा दिन: मट्टू पोंगल (पशु/गाय पूजा - इसी दिन जल्लीकट्टू होता है)।
    - चौथा दिन: कानूम पोंगल।
-

23. जल्लीकट्टू (Jallikattu)

- राज्य: तमिलनाडु
- विवरण: पोंगल के तीसरे दिन (मट्टू पोंगल) मनाया जाने वाला पारंपरिक बैल नियंत्रण खेल (Bull taming sport) है।

24. उगादि (Ugadi)

- राज्य: कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना।
- विवरण: यह दक्षिण भारत का नव वर्ष (New Year) है (चैत्र माह का पहला दिन)।

25. विशु (Vishu)

- राज्य: केरल
- विवरण: यह मलयाली (Malayalam) नव वर्ष है। इसमें भगवान कृष्ण/विष्णु की पूजा होती है।

26. बतुकम्मा (Bathukamma)

- राज्य: तेलंगाना
- विवरण: यह फूलों का त्योहार (Floral Festival) है। यह महागौरी (देवी सती) की पूजा के लिए महिलाओं द्वारा मनाया जाता है।

27. थाईपुसम (Thaipusam)

@kalashadow

- **राज्य: तमिलनाडु**
- **विवरण: यह भगवान मुरुगन (कार्तिकेय) को समर्पित है। भक्त अपनी जीभ या गाल में सुई/भाला (Vel) चुभोकर कठिन व्रत रखते हैं।**

28. हम्पी उत्सव (Hampi Utsav)

- **राज्य: कर्नाटक**
- **विवरण: इसे "विजय उत्सव" भी कहते हैं। यह विजयनगर साम्राज्य की संस्कृति को दर्शाता है।**

29. मेदाराम जात्रा (Medaram Jatara)

- **राज्य: तेलंगाना**
- **विवरण/जनजाति: यह कुंभ के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेला है। यह कोया (Koya) जनजाति द्वारा देवी सम्मक्का और सरालम्मा के सम्मान में मनाया जाता है।**

पूर्वी और पश्चिमी भारत (East & West India)

30. रथ यात्रा (Rath Yatra)

- **राज्य: ओडिशा (पुरी)**
- **विवरण: यह भगवान जगन्नाथ (श्री कृष्ण), उनके भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा की यात्रा है। आषाढ़ माह में मनाई जाती है।**

31. नुआखाई (Nuakhai)

- **राज्य: ओडिशा**

@kaalshadow

- **विवरण: नुआ (नया) + खाई (खाना)। गणेश चतुर्थी के अगले दिन नई फसल (चावल) के स्वागत में मनाया जाता है।**

32. बाली यात्रा (Bali Yatra)

- **राज्य: ओडिशा (कटक)**
- **विवरण: यह एशिया का सबसे बड़ा खुला व्यापार मेला है। यह प्राचीन कलिंग के व्यापारियों की बाली (इंडोनेशिया) यात्रा की याद में महानदी के किनारे लगता है।**

33. रज पर्व (Raja Parba)

- **राज्य: ओडिशा**
- **विवरण: यह 3 दिन का त्योहार है जो भू-देवी (Mother Earth) के मासिक धर्म (Menstruation) का प्रतीक है। इस दौरान जुताई/खुदाई (कृषि कार्य) बंद रहती है।**

34. दुर्गा पूजा (Durga Puja)

- **राज्य: पश्चिम बंगाल**
- **विवरण: यूनेस्को (UNESCO) की 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' (Intangible Heritage) लिस्ट में शामिल। महिषासुर पर दुर्गा की जीत का प्रतीक।**

35. गणगौर (Gangaur)

- **राज्य: राजस्थान**
- **विवरण: गण (शिव) + गौर (गौरी/पार्वती)। महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए शिव-पार्वती की पूजा करती हैं।**

36. पुष्कर मेला (Pushkar Fair)

- राज्य: राजस्थान (अजमेर)
- विवरण: यह कार्तिक पूर्णिमा को लगता है। यहाँ दुनिया का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है और यह ऊंटों के व्यापार (Camel Fair) के लिए प्रसिद्ध है।

37. रण उत्सव (Rann Utsav)

- राज्य: गुजरात (कच्छ)
- विवरण: यह सफेद रेगिस्तान (White Desert) में सर्दियों में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक उत्सव है।

38. तरणेतर मेला (Tarnetar Fair)

- राज्य: गुजरात
- विवरण: यह भगवान शिव (त्रिनेत्रेश्वर) के मंदिर में लगता है। यहाँ आदिवासी युवक-युवतियां अपने जीवनसाथी को चुनते हैं (स्वयंवर जैसा)।

39. गुड़ी पड़वा (Gudi Padwa)

- राज्य: महाराष्ट्र
- विवरण: यह मराठी नव वर्ष है। 'गुड़ी' का अर्थ है विजय पताका (झंडा)।

40. गणेश चतुर्थी (Ganesh Chaturthi)

- राज्य: महाराष्ट्र (सबसे प्रसिद्ध)
- विवरण: लोकमान्य तिलक ने 1893 में इसे सार्वजनिक उत्सव के रूप में शुरू किया था।

41. सिग्मो (Sigmo)

- राज्य: गोवा
- विवरण: यह गोवा का वसंत उत्सव है (होली का कोंकणी संस्करण)। इसमें धान की सुनहरी फसल का जश्न मनाया जाता है।

42. साओ जोआओ (Sao Joao)

- राज्य: गोवा
- विवरण: यह कैथोलिक त्योहार है जो सेंट जॉन द बैपटिस्ट को समर्पित है। इसमें युवा कुओं (Wells) और तालाबों में कूदते हैं।

मध्य भारत और अन्य (Central India & Others)

43. बस्तर दशहरा (Bastar Dussehra)

- राज्य: छत्तीसगढ़
- विवरण: यह दुनिया का सबसे लंबा चलने वाला त्योहार (75 दिन) है। इसमें रावण दहन नहीं होता, बल्कि देवी दंतेश्वरी की पूजा होती है।

44. भगोरिया (Bhagoria Haat)

- राज्य: मध्य प्रदेश (झाबुआ)
- विवरण/जनजाति: यह भील (Bhil) और भिलाला जनजाति का त्योहार है। होली से पहले हाट लगता है जहाँ युवा अपना जीवनसाथी चुनते हैं।

45. हरेली (Hareli)

@kaliShadow

- राज्य: छत्तीसगढ़
- विवरण: सावन माह की अमावस्या को मनाया जाता है। किसान अपने कृषि औजारों (Tools) और गायों की पूजा करते हैं। (याद रखें: हरेली = छत्तीसगढ़, हरेला = उत्तराखंड)।

46. खजुराहो नृत्य महोत्सव

- राज्य: मध्य प्रदेश
- विवरण: चंदेल राजाओं द्वारा बनवाए गए मंदिरों में भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का प्रदर्शन होता है।

47. मड़ाई (Madai) त्योहार

- राज्य: छत्तीसगढ़
- विवरण/जनजाति: यह गोंड (Gond) जनजाति द्वारा मनाया जाता है। एक बकरे की बलि दी जाती है।

48. ट्यूलिप फेस्टिवल (Tulip Festival)

- राज्य: जम्मू और कश्मीर (श्रीनगर)
- विवरण: एशिया के सबसे बड़े ट्यूलिप गार्डन (इंदिरा गांधी मेमोरियल) में वसंत ऋतु में मनाया जाता है।

49. हेरात (Herath)

- राज्य: जम्मू और कश्मीर
- विवरण: यह कश्मीरी पंडितों की महाशिवरात्रि है। ('हेरात' शब्द 'हर-रात्रि' यानी शिव की रात्रि से बना है)।

50. सोनपुर मेला (Sonepur Mela)

- **राज्य: बिहार**
- **विवरण: गंगा और गंडक नदी के संगम पर लगता है। यह एशिया का सबसे बड़ा पशु मेला (Cattle Fair) है। इसे 'हरिहर क्षेत्र मेला' भी कहते हैं।**

SSC GD Special: Famous Festivals (Detailed Analysis)

उत्तर-पूर्वी भारत (North East India) - जनजातीय विशेष

51. मोपिन (Mopin)

- **राज्य: अरुणाचल प्रदेश**
- **जनजाति: गालो (Galo) जनजाति।**
- **विवरण: यह बुरी आत्माओं को भगाने और अच्छी फसल के लिए अप्रैल में मनाया जाता है। इसमें लोग एक-दूसरे के चेहरे पर सफेद चावल का पाउडर लगाते हैं।**
- **Trick: 'गालो' (Galo) पर पाउडर लगाओ मोपिन में।**

52. सेक्रेनयी (Sekrenyi)

- **राज्य: नागालैंड**
- **जनजाति: अंगामी (Angami) जनजाति।**
- **विवरण: इसे 'शुद्धिकरण त्योहार' (Phousanyi) भी कहते हैं। यह शरीर और आत्मा को पापों से शुद्ध करने के लिए फरवरी में मनाया जाता है।**
- **Trick: अंगामी ने अपनी 'स्क्रीन' (Sekrenyi) साफ (शुद्ध) की।**

@kalishadow

53. ड्री (Dree)

- राज्य: अरुणाचल प्रदेश (जीरो घाटी)
- जनजाति: अपतानी (Apatani) जनजाति।
- विवरण: यह कृषि त्योहार है। इसमें 4 देवताओं की पूजा होती है ताकि कीट-पतंगे फसल खराब न करें। इसमें खीरा (Cucumber) बांटा जाता है।
- Trick: अपतानी लोग 'ट्री' (Dree) के नीचे खीरा खाते हैं।

54. संगाई महोत्सव (Sangai Festival)

- राज्य: मणिपुर
- विवरण: यह मणिपुर का सबसे बड़ा पर्यटन उत्सव है। इसका नाम राज्य पशु 'संगाई हिरण' (Brow-antlered deer) के नाम पर रखा गया है जो केवल केइबुल लामजाओ नेशनल पार्क में मिलता है।

55. बेहदीनखलम (Behdienkhlam)

- राज्य: मेघालय
- जनजाति: पनार (Pnar/Jaintia) जनजाति।
- विवरण: इसका अर्थ है "महामारी/हैजा के दानव को भगाना" (Chasing away the Demon of Cholera)। यह जुलाई में बुवाई के बाद मनाया जाता है।
- Trick: जयंतिया हिल्स से बीमारी (Behdienkhlam) भगाओ।

56. अली-ऐ-लिगांग (Ali-Aye-Ligang)

- राज्य: असम
- जनजाति: मिसिंग (Mising) जनजाति।

- विवरण: यह वसंत और बीज बोने का त्योहार है। 'अली' मतलब जड़/बीज।
- Trick: 'अली' मिसिंग (Missing) है।

57. मी-दम-मी-फी (Me-Dam-Me-Phi)

- राज्य: असम
- जनजाति/समुदाय: अहोम (Ahom) समुदाय।
- विवरण: यह पूर्वजों (Ancestors) की पूजा का त्योहार है। (31 जनवरी को मनाया जाता है)।
- Trick: अहोम लोग अपने पूर्वजों से माफ़ी (Me-Phi) मांगते हैं।

58. तोर्ग्या (Torgya)

- राज्य: अरुणाचल प्रदेश
- समुदाय: मोनपा (Monpa) जनजाति (तवांग मठ)।
- विवरण: यह बौद्ध त्योहार है। इसमें लामा लोग 'छम' (Cham) नृत्य करते हैं ताकि बुरी आत्माएं दूर रहें।

59. रेह (Reh)

- राज्य: अरुणाचल प्रदेश
- जनजाति: इदु मिशमी (Idu Mishmi)।
- विवरण: यह फरवरी में मनाया जाता है। पुजारी 'नाया' नृत्य करते हैं।

60. पॉल कुट (Pawl Kut) और मिम कुट (Mim Kut)

- राज्य: मिजोरम
- विवरण:

    - पॉल कुट: दिसंबर में पुआल (Straw) की कटाई के बाद।
    - मिम कुट: मक्का (Maize/Mim) की फसल के सम्मान में अगस्त-सितंबर में (इसे मृतकों की याद में भी मनाते हैं)।
-

दक्षिण भारत (South India) - मंदिर और परंपराएं

61. त्रिशूर पूरम (Thrissur Pooram)

- राज्य: केरल
- स्थान: वडक्कुनाथन मंदिर (भगवान शिव)।
- विवरण: इसे "सभी पूरमों की मां" कहा जाता है। इसमें सजे हुए हाथियों की परेड और भव्य आतिशबाजी होती है।

62. अट्टुकल पोंगाला (Attukal Pongala)

- राज्य: केरल (तिरुवनंतपुरम)
- विवरण: इसे "महिलाओं का सबरीमाला" कहते हैं। यह दुनिया में महिलाओं का सबसे बड़ा धार्मिक जमावड़ा (Guinness World Record) है। इसमें महिलाएं सड़क पर चूल्हे जलाकर देवी को 'पोंगाला' (खीर) चढ़ाती हैं।

63. महामहम (Mahamaham)

- राज्य: तमिलनाडु (कुंभकोणम)
- विवरण: यह दक्षिण भारत का कुंभ मेला है। यह 12 साल में एक बार मनाया जाता है।

@KalaShadow

64. चितिरई (Chithirai)

- राज्य: तमिलनाडु (मदुरै)
- विवरण: यह भगवान सुंदरेश्वर (शिव) और देवी मीनाक्षी (पार्वती) के विवाह (Celestial Wedding) का उत्सव है।
- Trick: मदुरै के चित्र (Chithirai) में शिव-पार्वती की शादी है।

65. करगा (Karaga)

- राज्य: कर्नाटक (बेंगलुरु)
- विवरण: यह तिगल (Thigala) समुदाय द्वारा मनाया जाता है। यह द्रौपदी (महाभारत) को समर्पित है। यह सबसे पुराना त्योहार माना जाता है।
- Trick: बेंगलुरु में द्रौपदी का 'करगा'।

66. मैसूर दशहरा (Mysuru Dasara)

- राज्य: कर्नाटक
- विवरण: यह देवी चामुंडेश्वरी द्वारा महिषासुर के वध के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। यहाँ का जम्बो सवारी (हाथी जुलूस) विश्व प्रसिद्ध है।

67. पुथुंडु (Puthandu)

- राज्य: तमिलनाडु
- विवरण: यह तमिल नव वर्ष है (अप्रैल के मध्य में)।

उत्तर और मध्य भारत (North & Central India)

68. गंगासागर मेला (Gangasagar Mela)

- राज्य: पश्चिम बंगाल
- विवरण: मकर संक्रांति पर जहाँ गंगा नदी समुद्र (सागर) में मिलती है (कपिल मुनि आश्रम)। कुंभ के बाद यह दूसरा सबसे बड़ा मेला है।

69. होल्ला मोहल्ला (Hola Mohalla)

- राज्य: पंजाब (आनंदपुर साहिब)
- विवरण: यह होली के अगले दिन शुरू होता है। गुरु गोबिंद सिंह जी ने इसे शुरू किया था। इसमें निहंग सिखों द्वारा गतका (Gatka - मार्शल आर्ट) और युद्ध कौशल का प्रदर्शन होता है।

70. कर्मा (Karma)

- राज्य: झारखंड, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा।
- जनजाति: मुंडा, ओरांव, बैगा।
- विवरण: यह प्रकृति पूजा है। इसमें करम वृक्ष (Karam Tree) की डाल की पूजा की जाती है। भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक भी है।
- Trick: अच्छे कर्म करो।

71. सोहराई (Sohrai)

- राज्य: झारखंड
- विवरण: यह दिवाली के समय मनाया जाता है। यह पशुओं (Cattle) के प्रति सम्मान जताने वाला त्योहार है। सोहराई पेंटिंग (GI Tag) भी यहीं की है।

72. टुसू (Tusu Parab)

- राज्य: झारखंड, पश्चिम बंगाल
- विवरण: यह मकर संक्रांति पर मनाया जाने वाला फसल कटाई का त्योहार है। यह अविवाहित लड़कियों द्वारा मनाया जाता है।

73. गरिया पूजा (Garia Puja)

- राज्य: त्रिपुरा
- विवरण: यह बाबा गरिया (Baba Garia) देवता (पशुधन और धन के देवता) की पूजा है। इसमें मुर्गे की बलि दी जाती है।

74. तीजन / तीज (Teej)

- राज्य: राजस्थान, हरियाणा, पंजाब
- विवरण: यह सावन (Monsoon) में मनाया जाता है। यह माता पार्वती और शिव के मिलन का प्रतीक है। महिलाएं हरे कपड़े पहनती हैं और झूले झूलती हैं।

75. कालिदास समारोह (Kalidas Samaroh)

- राज्य: मध्य प्रदेश (उज्जैन)
- विवरण: शास्त्रीय संगीत, रंगमंच और कला का उत्सव। महाकवि कालिदास के सम्मान में।

76. लोकरंग महोत्सव (Lokrang)

- राज्य: मध्य प्रदेश (भोपाल)
- विवरण: गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) से शुरू होकर 5 दिन चलता है। यह आदिवासी और लोक कला का प्रदर्शन है।

77. वौथा मेला (Vautha Mela)

@kalshadow

- राज्य: गुजरात
- विवरण: यह सप्तसंगम (7 नदियों का संगम) पर लगता है। यह गधों के व्यापार (Donkey Trade) के लिए प्रसिद्ध है।

78. शामलाजी मेला (Shamlaji Mela)

- राज्य: गुजरात
- विवरण: मेशवो नदी के किनारे। यहाँ आदिवासी लोग भगवान कृष्ण (शामलाजी) की पूजा करते हैं। इसे 'आदिवासी कुंभ' भी कहते हैं (गुजरात के संदर्भ में)।

79. किला रायपुर खेल (Kila Raipur Sports Festival)

- राज्य: पंजाब (लुधियाना)
- विवरण: इसे "भारत का ग्रामीण ओलंपिक" (Rural Olympics) कहा जाता है। बैलगाड़ी दौड़ यहाँ का मुख्य आकर्षण है।

80. मिंजर मेला (Minjar Mela)

- राज्य: हिमाचल प्रदेश (चंबा)
- विवरण: 'मिंजर' का मतलब है मक्का के फूल (Maize flowers)। लोग वरुण देव को मक्के की बालियां चढ़ाते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण और विविध (Miscellaneous & Trending)

81. चेरी ब्लॉसम (Cherry Blossom Festival)

- राज्य: मेघालय (शिलांग)

- **विवरण: नवंबर में जब हिमालयन चेरी ब्लॉसम के गुलाबी फूल खिलते हैं। इसे "प्रकृति का उत्सव" कहते हैं।**

82. सिंधु दर्शन (Sindhu Darshan)

- **राज्य: लद्दाख (लेह)**
- **विवरण: जून में गुरु पूर्णिमा पर सिंधु नदी (Indus River) के सम्मान में मनाया जाता है। यह सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक है।**

83. ऑरेंज फेस्टिवल (Orange Festival)

- **राज्य: मणिपुर (तामेंगलोंग जिला) और अरुणाचल (दाम्बुक)।**
- **विवरण: संत्रों की पैदावार को बढ़ावा देने के लिए।**

84. नबकलेबर (Nabakalebara)

- **राज्य: ओडिशा (पुरी जगन्नाथ मंदिर)**
- **विवरण: इसका अर्थ है "नया शरीर"। जब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की पुरानी लकड़ी की मूर्तियों को बदलकर नई मूर्तियां स्थापित की जाती हैं। यह 12 या 19 साल में एक बार होता है।**

85. डोल जात्रा / डोल पूर्णिमा (Dol Jatra)

- **राज्य: पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम**
- **विवरण: यह 'होली' का ही रूप है। इसमें भगवान कृष्ण और राधा की मूर्तियों को पालकी (Dol) में घुमाया जाता है।**

86. झिरी मेला (Jhiri Mela)

@KalyanShadow

- राज्य: जम्मू और कश्मीर
- विवरण: यह एक किसान बाबा जित्तो (Baba Jitto) की याद में लगता है, जिन्होंने जमींदारों के अत्याचार के खिलाफ बलिदान दिया था।

87. माथो नागरंग (Matho Nagrang)

- राज्य: लद्दाख
- विवरण: माथो मठ में मनाया जाता है। इसमें भिक्षु 'ओरेकल' (भविष्यवाणी करने वाले देवता) का रूप धारण करते हैं।

88. साकेवा (Sakewa)

- राज्य: सिक्किम
- समुदाय: किरात खंबू राय (Kirat Khambu Rai) समुदाय।
- विवरण: यह धरती माता (Mother Earth) की पूजा है। इसे चंडी पूजा भी कहते हैं।

89. मारू महोत्सव (Desert Festival)

- राज्य: राजस्थान (जैसलमेर)
- विवरण: फरवरी में पूर्णिमा के दिन रेगिस्तान (Sam Sand Dunes) में मनाया जाता है। यहाँ 'मिस्टर डेजर्ट' प्रतियोगिता होती है।

90. हाथी महोत्सव (Elephant Festival)

- राज्य: राजस्थान (जयपुर)
- विवरण: होली के दिन मनाया जाता है। हाथियों को रंगा जाता है और सजाया जाता है।

@kailashadavi

91. चिकाल कालो (Chikal Kalo)

- **राज्य: गोवा**
- **विवरण: यह कीचड़ उत्सव (Mud Festival) है। यह भगवान कृष्ण के बचपन के खेलों का प्रतीक है। मानसून में मनाया जाता है।**

92. हेमिस गोंपा मेला

- **नोट: (Part 1 में था, लेकिन यह एक्स्ट्रा फैक्ट याद रखें) - यह हर 12 साल में खास होता है जब तिब्बती कैलेंडर के अनुसार 'बंदर वर्ष' (Monkey Year) आता है।**

93. कंबाला (Kambala)

- **राज्य: कर्नाटक (दक्षिण कन्नड़ और उडुपी)**
- **विवरण: यह भैंसा दौड़ (Buffalo Race) है जो कीचड़ भरे धान के खेतों में होती है। यह 'कदरी मंजुनाथ' (शिव) भगवान को समर्पित है।**

94. बैसागु (Baishagu)

- **राज्य: असम**
- **जनजाति: बोडो (Bodo) कचारी जनजाति।**
- **विवरण: यह बोडो समुदाय का नव वर्ष है। इसमें बगुरुम्बा (Bagurumba) नृत्य किया जाता है।**

95. बिहुला (Bihula)

- **राज्य: बिहार (भागलपुर क्षेत्र)**

@kaa Shadow

- विवरण: यह मंजूषा कला (Manjusha Art) से जुड़ा त्योहार है। इसमें विषहरी देवी (मनसा देवी) की पूजा होती है।

96. स्ट्रॉबेरी महोत्सव (Strawberry Festival)

- राज्य: उत्तर प्रदेश (झांसी)
- विवरण: बुंदेलखंड में स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में शुरू हुआ है। (Current Affairs Link)।

97. फूलैच (Fulaich)

- राज्य: हिमाचल प्रदेश (किन्नौर)
- विवरण: इसे "फूलों का त्योहार" कहते हैं। यह सितंबर में मनाया जाता है और पूर्वजों को याद किया जाता है।

98. कलपथी रथोलसवम (Kalpathi Ratholsavam)

- राज्य: केरल
- विवरण: यह एक भव्य रथ यात्रा (Chariot Festival) है जो पलक्कड़ के कलपथी मंदिर में होती है।

99. एंथुरियम महोत्सव (Anthurium Festival)

- राज्य: मिजोरम
- विवरण: एंथुरियम फूल (लाल रंग का फूल) के उत्पादन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए।

100. पोराग (Porag)

- राज्य: असम
- जनजाति: मिसिंग (Mising) जनजाति।

@kaalshadow

- **विवरण: यह फसल कटाई के बाद का त्योहार है। इसे 5 साल में एक बार मनाया जाता है।**

महत्वपूर्ण टिप (Pro Tip):
SSC GD में अगर जनजाति (Tribe) पूछे और आप कन्फ्यूज हों:

- **नागालैंड: होर्नबिल (सभी), सेक्नेयी (अंगामी), मोअत्सु (एओ), यमशे (पोचुरी)।**
- **अरुणाचल: लोसार/तोर्ग्या (मोनपा), ड्री/म्योको (अपतानी), मोपिन (गालो), सोलंग (आदि)।**
- **मेघालय: वांगला (गारो), नोंगक्रेम (खासी), बेहदीनखलम (जयंतिया/पनार)।**

SSC GD Special: Famous Festivals

Current Affairs & New Festivals (हाल ही में चर्चा में)

101. लैवेंडर फेस्टिवल (Lavender Festival)

- **स्थान: भद्रवाह (जम्मू और कश्मीर)**
- **विवरण: इसे 'बैंगनी क्रांति' (Purple Revolution) के तहत मनाया जाता है। यह खुशबूदार पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए है।**
- **Trick: जम्मू की वादियों में लैवेंडर की खुशबू।**

102. पर्पल फेस्ट (Purple Fest)

- **राज्य: गोवा**

@Kaal-Shadow

- विवरण: यह दिव्यांगजनों (Persons with Disabilities) के लिए भारत का अपनी तरह का पहला समावेशी उत्सव है।
- Trick: गोवा के बीच पर पर्पल रंग (दिव्यांगों के सम्मान में)।

103. लाइट हाउस महोत्सव (Lighthouse Festival)

- स्थान: गोवा (किले अगुडा में पहली बार आयोजित)
- विवरण: पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक लाइट हाउस को हेरिटेज साइट बनाना।

104. काला नमक चावल महोत्सव (Kala Namak Rice Festival)

- राज्य: उत्तर प्रदेश (सिद्धार्थनगर)
- विवरण: 'काला नमक' चावल (जिसे 'बुद्ध का महाप्रसाद' कहते हैं) को बढ़ावा देने के लिए। (ODOP योजना के तहत)।

105. सिरुई लिली (Shirui Lily)

- राज्य: मणिपुर
- विवरण: यह फूल दुनिया में केवल मणिपुर की उखरुल पहाड़ियों पर खिलता है। यह मणिपुर का राजकीय फूल भी है।

106. द्विजिंग महोत्सव (Dwijing Festival)

- राज्य: असम
- विवरण: यह आई नदी (River Aie) के किनारे मनाया जाने वाला वार्षिक नदी उत्सव है।
- Trick: द्विजिंग (दो जिन) नदी के किनारे मिले।

107. तोखू इमोंग (Tokhu Emong)

- राज्य: नागालैंड
- जनजाति: लोथा (Lotha) जनजाति।
- विवरण: यह फसल कटाई के बाद नवंबर में मनाया जाता है। इसका मतलब है "घर-घर जाकर दावत करना"।

108. योलो (Yolo) / एओलिंग (Aoleng)

- राज्य: नागालैंड
- जनजाति: कोन्यक (Konyak) जनजाति।
- विवरण: यह वसंत का स्वागत करने के लिए मनाया जाता है। इसमें बंदूकें (Gun firing) चलाई जाती हैं। (कोन्यक जनजाति हेड हंटर्स के लिए जानी जाती थी)।

109. इगास बग्वाल (Egaas Bagwal)

- राज्य: उत्तराखंड
- विवरण: इसे "पहाड़ों की दिवाली" कहते हैं। यह असली दिवाली के 11 दिन बाद मनाई जाती है। मान्यता है कि वनवास से राम के लौटने की खबर पहाड़ों में देर से पहुंची थी।

110. खीर भवानी मेला (Kheer Bhawani Mela)

- राज्य: जम्मू और कश्मीर (गांदरबल)
- विवरण: यह कश्मीरी पंडितों (हिन्दुओं) का त्योहार है। रागन्या देवी को खीर का भोग लगाया जाता है।
- Trick: जम्मू में खीर खाओ।

असम और पूर्वोत्तर के अनोखे मेले (Unique Fairs)

111. जोनबील मेला (Jonbeel Mela)

- **राज्य: असम (मोरीगांव)**
- **विवरण: यह भारत का एकमात्र मेला है जहाँ अभी भी वस्तु विनिमय प्रणाली (Barter System) चलती है। लोग सामान के बदले सामान बदलते हैं, पैसे नहीं चलते।**
- **Trick: बिल (Bill) नहीं लगता, चीज़ के बदले चीज़ मिलती है।**

112. नोंगक्रेम (Nongkrem)

- **राज्य: मेघालय**
- **जनजाति: खासी।**
- **विवरण: (Revise करें) 'स्मित' (Smit) गांव में मनाया जाता है। बकरी की बलि दी जाती है।**

113. शाद सुक मिनसिएम (Shad Suk Mynsiem)

- **राज्य: मेघालय**
- **जनजाति: खासी।**
- **विवरण: इसे "आनंदित हृदय का नृत्य" (Dance of Joyful Heart) कहते हैं।**

114. खर्ची पूजा (Kharchi Puja)

- **राज्य: त्रिपुरा**
- **विवरण: "खर्ची" शब्द "ख" (पृथ्वी) और "ची" (सफाई) से बना है। यानी पृथ्वी की सफाई।**

धर्म विशेष (Religious Specifics) - जैन, पारसी, सिख, बौद्ध

115. पर्यूषण पर्व (Paryushan Parv)

- धर्म: जैन धर्म
- विवरण: यह भाद्रपद (अगस्त-सितंबर) में मनाया जाता है। यह आत्म-शुद्धि और क्षमा (Forgiveness) का त्योहार है। श्वेतांबर 8 दिन और दिगंबर 10 दिन मनाते हैं। अंतिम दिन को 'संवत्सरी' (क्षमावाणी) कहते हैं।

116. महामस्तकाभिषेक (Mahamastakabhisheka)

- स्थान: श्रवणबेलगोला, कर्नाटक
- विवरण: यहाँ बाहुबली (गोमतेश्वर) की विशाल मूर्ति का हर 12 साल में अभिषेक (दूध, दही, घी से स्नान) किया जाता है।

117. नवरोज़ (Navroz)

- धर्म: पारसी (Zoroastrian)
- विवरण: यह पारसी नव वर्ष है। भारत में इसे बलबन (दिल्ली सल्तनत) ने शुरू किया था। यूनेस्को की विरासत सूची में शामिल है।

118. पतेती (Pateti)

- धर्म: पारसी
- विवरण: यह नवरोज़ से ठीक पहले का दिन है। यह पश्चाताप (Repentance) का दिन है, जब लोग अपनी गलतियों के लिए माफ़ी मांगते हैं।

119. खोरदाद साल (Khordad Sal)

- **धर्म: पारसी**
- **विवरण: यह पैगंबर जरथुस्त्र (Zoroaster) का जन्मदिन है।**

120. होला मोहल्ला (Hola Mohalla)

- **धर्म: सिख (पंजाब)**
- **विवरण: गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा शुरू किया गया। होली के अगले दिन अनंदपुर साहिब में युद्ध कौशल (Gatka) का प्रदर्शन होता है।**

121. गुरु पूरब (Guru Nanak Gurpurab)

- **विवरण: सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी का जन्मदिन (कार्तिक पूर्णिमा को)।**

122. माघी मेला (Maghi Mela)

- **स्थान: मुक्तसर, पंजाब**
- **विवरण: यह उन 40 मुक्तों (40 Muktas) की याद में लगता है जो मुगलों से लड़ते हुए शहीद हुए थे।**

123. सागा दावा (Saga Dawa)

- **धर्म: बौद्ध (सिक्किम)**
- **विवरण: इसे 'वैशाख माह' में मनाते हैं। बुद्ध का जन्म, ज्ञान और निर्वाण तीनों इसी दिन माने जाते हैं।**

124. हेमिस (Hemis)

- **धर्म: बौद्ध (लद्दाख)**
- **विवरण: गुरु पद्मसंभव की जयंती। छम डांस (Mask Dance) इसका मुख्य आकर्षण है।**

@kaal_shalov

दक्षिण और अन्य राज्यों के गहरे प्रश्न

125. पुली कली (Puli Kali)

- **राज्य: केरल**
- **विवरण: ओणम के समय किया जाने वाला बाघ नृत्य (Tiger Dance)। लोग शरीर पर बाघ/चीते का पेंट करके नाचते हैं।**

126. नेहरू ट्रॉफी बोट रेस (Nehru Trophy Boat Race)

- **स्थान: केरल (पुन्नमदा झील / अलाप्पुझा)**
- **विवरण: इसे 'स्नेक बोट रेस' (Vallam Kali) भी कहते हैं। यह अगस्त के दूसरे शनिवार को होती है।**

127. थेय्यम (Theyyam)

- **राज्य: केरल (उत्तरी मालाबार)**
- **विवरण: यह एक प्राचीन अनुष्ठानिक नृत्य पूजा है। नर्तक खुद को देवता का अवतार मानता है।**

128. कार्तिगई दीपम (Karthigai Deepam)

- **राज्य: तमिलनाडु**
- **विवरण: यह "रोशनी का त्योहार" है (दक्षिण की दिवाली)। यह शिव और मुरुगन को समर्पित है।**

129. चित्रई थिरुविजा (Chithirai Thiruvizha)

- **राज्य: तमिलनाडु (मदुरै)**

@kalshadow

- विवरण: यह मीनाक्षी मंदिर में एक महीने तक चलने वाला उत्सव है।

130. कडलकाई परिशे (Kadalekai Parishe)

- राज्य: कर्नाटक (बेंगलुरु)
- विवरण: इसे मूंगफली मेला (Groundnut Fair) कहते हैं। किसान अपनी पहली फसल बसवनगुड़ी नंदी मंदिर में चढ़ाते हैं।

131. सामा चकेवा (Sama Chakeva)

- राज्य: बिहार (मिथिला क्षेत्र)
- विवरण: यह भाई-बहन के प्रेम का त्योहार है (रक्षाबंधन जैसा)। इसमें पक्षियों की मिट्टी की मूर्तियां बनाई जाती हैं।

132. श्रावणी मेला (Shravani Mela)

- स्थान: देवघर (झारखंड)
- विवरण: सावन के महीने में कांवड़िए सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर बाबा बैद्यनाथ (12 ज्योतिर्लिंगों में से एक) को चढ़ाते हैं।

133. पोला (Pola)

- राज्य: महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़
- विवरण: यह बैलों (Bulls) की पूजा का त्योहार है। किसान अपने पशुओं का धन्यवाद करते हैं।

134. नराली पूर्णिमा (Narali Purnima)

- राज्य: महाराष्ट्र (तटीय क्षेत्र)

@kalshadow

- **विवरण: इसे नारियल पूर्णिमा कहते हैं। मछुआरे समुद्र देव (वरुण) को नारियल चढ़ाते हैं ताकि समुद्र शांत रहे।**

135. वारी-वारकरी (Wari)

- **राज्य: महाराष्ट्र**
- **विवरण: यह पंढरपुर के भगवान विट्ठल (विष्णु के रूप) के सम्मान में 21 दिन की पैदल यात्रा है।**

136. लठमार होली (Lathmar Holi)

- **स्थान: बरसाना और नंदगांव (उत्तर प्रदेश)**
- **विवरण: यहाँ महिलाएं पुरुषों को लाठियों से मारती हैं और पुरुष ढाल से बचाव करते हैं।**

137. ताज महोत्सव (Taj Mahotsav)

- **स्थान: आगरा (UP)**
- **विवरण: मुगल संस्कृति और भारतीय कला का प्रदर्शन। फरवरी में आयोजित होता है।**

138. गंगा महोत्सव / देव दीपावली

- **स्थान: वाराणसी (UP)**
- **विवरण: दिवाली के 15 दिन बाद (कार्तिक पूर्णिमा) को बनारस के घाटों पर लाखों दीये जलाए जाते हैं।**

139. गोन्चा महोत्सव (Goncha Festival)

- **राज्य: छत्तीसगढ़ (बस्तर)**

- **विवरण: यह बस्तर की रथ यात्रा है। इसमें 'तुपकी' (बांस की बनी बंदूक) का इस्तेमाल सलामी देने के लिए किया जाता है।**

140. मड़ाई (Madai)

- **राज्य: छत्तीसगढ़**
- **विवरण: देवी केशरपाल के सम्मान में गोंड जनजाति द्वारा।**

141. साजो (Sazo)

- **राज्य: हिमाचल प्रदेश**
- **विवरण: यह किन्नौर जिले का त्योहार है। माना जाता है कि इस दिन देवता स्वर्ग के लिए प्रस्थान करते हैं।**

142. हल्दा (Halda)

- **राज्य: हिमाचल प्रदेश (लाहुल-स्पीति)**
- **विवरण: यह नए साल का जश्न है। यह रोशनी का त्योहार है (देवदार की टहनियां जलाई जाती हैं)।**

143. उर्स (Urs)

- **स्थान: अजमेर (राजस्थान)**
- **विवरण: सूफी संत ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती की पुण्यतिथि पर मनाया जाता है।**

144. बाणेश्वर मेला (Baneshwar Fair)

- **राज्य: राजस्थान (डूंगरपुर)**

- विवरण: इसे "आदिवासियों का महाकुंभ" (भील जनजाति) कहा जाता है। यह सोम, माही और जाखम नदियों के संगम पर लगता है।

145. पीरला पंडुगा (Peerla Panduga)

- राज्य: तेलंगाना और आंध्र प्रदेश
- विवरण: यह मुहर्रम का स्थानीय नाम है। इसे हिंदू और मुस्लिम दोनों मिलजुल कर मनाते हैं।

146. बोनालू (Bonalu)

- राज्य: तेलंगाना
- विवरण: (Revise) आषाढ़ महीने में देवी महाकाली को 'बोनम' (भोजन/बर्तन) चढ़ाया जाता है।

147. सरस मेला (Saras Mela)

- विवरण: यह अक्सर विभिन्न राज्यों में (जैसे जम्मू, नई दिल्ली) आयोजित होता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण कारीगरों (SHG महिलाओं) के उत्पादों को बेचना है।

148. राष्ट्रीय युवा महोत्सव (National Youth Festival)

- विवरण: 12 जनवरी (स्वामी विवेकानंद जयंती) को हर साल अलग-अलग राज्य में आयोजित होता है। (2024 में नासिक, महाराष्ट्र में हुआ था)।

149. मांडू महोत्सव

- राज्य: मध्य प्रदेश

- **विवरण: इसे "सिटी ऑफ जॉय" (मांडू) में मनाया जाता है। (प्यार की निशानी - बाज बहादुर और रूपमती की कहानियां)।**

150. तानसेन समारोह

- **स्थान: ग्वालियर (मध्य प्रदेश)**
- **विवरण: भारत का सबसे प्रतिष्ठित शास्त्रीय संगीत समारोह। तानसेन की मजार के पास आयोजित होता है।**

Exam के लिए Last Minute Tips

1. **जनजाति (Tribe): नागालैंड (हॉर्नबिल, सेक्नेयी) और अरुणाचल (मोपिन, ड्री) की जनजातियां रट लें।**
2. **महीना (Month): हिंदू कैलेंडर का महीना (चैत्र, कार्तिक, फाल्गुन) अब ज्यादा पूछा जा रहा है (जैसे- होली फाल्गुन में, दिवाली कार्तिक में)।**
3. **नृत्य (Dance) vs त्योहार: कई बार त्योहार और नृत्य का नाम एक ही होता है (जैसे- बिहू, कर्मा), तो कंफ्यूज न हों।**
4. **राज्य का नाम: दक्षिण के त्योहार (केरल vs तमिलनाडु) में बहुत सावधानी बरतें (पोंगल TN का है, ओणम केरल का)।**

हिंदी कैलेंडर और तिथियाँ (Most Important for 2024-25 Exams)

151. 'दीपावली' (Diwali) किस हिंदी महीने में मनाई जाती है?

- उत्तर: कार्तिक मास की अमावस्या (Amavasya of Kartik Month)।
- लॉजिक: दीये अंधेरे में जलाए जाते हैं, इसलिए 'अमावस्या' (No Moon)।

152. 'होली' (Holi) किस हिंदी महीने में मनाई जाती है?

- उत्तर: फाल्गुन मास की पूर्णिमा (Purnima of Phalguna Month)।
- लॉजिक: होली रंगों का त्योहार है, पूरा चाँद (पूर्णिमा) होना चाहिए।

153. 'महाशिवरात्रि' (Maha Shivratri) कब मनाई जाती है?

- उत्तर: फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी (13वीं/14वीं रात)।
- याद रखें: फाल्गुन में शिव और होली दोनों आते हैं।

154. 'रक्षाबंधन' (Raksha Bandhan) किस महीने में होता है?

- उत्तर: श्रावण (सावन) मास की पूर्णिमा।
- लॉजिक: सावन के महीने में भाई-बहन का प्रेम बरसता है।

155. 'जन्माष्टमी' (Janmashtami) कब मनाई जाती है?

- उत्तर: भाद्रपद (Bhadrapada) मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी (Ashtami)।
- लॉजिक: कृष्ण का जन्म अंधेरी रात (कृष्ण पक्ष) में हुआ था।

156. 'रामनवमी' (Ram Navami) किस महीने में आती है?

@Kal_Shadow

- उत्तर: चैत्र (Chaitra) मास के शुक्ल पक्ष की नवमी।
- लॉजिक: हिंदू नव वर्ष (चैत्र) के 9वें दिन राम जी आए।

157. 'दशहरा' (Vijayadashami) किस महीने में मनाया जाता है?

- उत्तर: अश्विन (Ashwin) मास के शुक्ल पक्ष की दशमी।
- लॉजिक: नवरात्रि के तुरंत बाद।

158. 'गणेश चतुर्थी' (Ganesh Chaturthi) किस महीने में शुरू होती है?

- उत्तर: भाद्रपद (Bhadrapada) मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी।

159. 'गुरु पूर्णिमा' (Guru Purnima) किस महीने में मनाई जाती है?

- उत्तर: आषाढ़ (Ashadha) मास की पूर्णिमा।
- नोट: इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं (महर्षि वेदव्यास का जन्म)।

160. 'वसंत पंचमी' (Basant Panchami) किस देवी को समर्पित है?

- उत्तर: देवी सरस्वती।
- महीना: माघ (Magh) महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी। पीला रंग (सरसों के फूल) इसका प्रतीक है।

161. 'मकर संक्रांति' (Makar Sankranti) किस महीने में आती है?

- उत्तर: माघ (Magh) / जनवरी (सौर कैलेंडर के अनुसार)।
- महत्व: सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है (उत्तरायण)।

162. 'बुद्ध पूर्णिमा' (Buddha Purnima) को और किस नाम से जाना जाता है?

- **उत्तर: वैशाख पूर्णिमा (Vaishakh Purnima)।**
- **विवरण: इसी दिन बुद्ध का जन्म, ज्ञान और मृत्यु हुई।**

163. 'छठ पूजा' (Chhath Puja) दिवाली के कितने दिन बाद होती है?

- **उत्तर: 6 दिन बाद (कार्तिक शुक्ल षष्ठी)।**
- **याद रखें: षष्ठी = छठ।**

164. 'वट पूर्णिमा' (Vat Purnima) मुख्य रूप से कहाँ मनाई जाती है?

- **उत्तर: महाराष्ट्र, गुजरात।**
- **विवरण: सावित्री और सत्यवान की कथा। बरगद (Vat) के पेड़ की पूजा पति की लंबी उम्र के लिए।**

165. 'करवा चौथ' (Karwa Chauth) किस महीने में होता है?

- **उत्तर: कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी।**

उत्तर-पूर्व और जनजातीय त्योहार (Missing Ones)

166. 'बुशू डीमा' (Bishu / Bushu Dima)

- **राज्य: नागालैंड और असम।**
- **जनजाति: डिमासा (Dimasa) कचारी जनजाति।**
- **विवरण: यह फसल कटाई का उत्सव है।**
- **Trick: 'डीमा'सा लोग 'डीमा'पुर में बुशू मनाते हैं।**

@kaal-shadow

167. 'तुनी' (Tuni Festival)

- राज्य: अरुणाचल प्रदेश
- विवरण: यह सेवन सिस्टर्स (Seven Sisters) जनजातियों का त्योहार नहीं है, बल्कि विशेष रूप से यह पूछ सकता है कि किस राज्य का है। (Reference: TCS Previous Year)।

168. 'गा-नगाई' (Gaan-Ngai)

- राज्य: मणिपुर
- जनजाति: ज़ेलियांग्रोंग (Zeliangrong) समुदाय।
- विवरण: यह फसल कटाई के बाद मनाया जाता है। इसे जीवित और मृतकों का त्योहार मानते हैं।

169. 'कूट' (Kut) शब्द वाले त्योहारों की पहचान:

- ट्रिक: जिस त्योहार के अंत में 'कूट' (Kut) आए, वह ज्यादातर मिजोरम का होता है (जैसे- चापचार कुट, पॉल कुट, मिम कुट)।
- अपवाद (Exception): 'तोगू कुट' (Tokhu Emong) नागालैंड का है।

170. 'शाद नॉनग्रेम' (Shad Nongkrem)

- राज्य: मेघालय
- विवरण: खासी हिल्स में मनाया जाता है। (Revise: यह Part 2 में भी था, लेकिन बहुत महत्वपूर्ण है)।

171. 'हॉर्नबिल' की सही तारीख क्या है?

- उत्तर: 1 से 10 दिसंबर (हर साल फिक्स रहती है)।

- नोट: इसे तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने 2000 में शुरू किया था।

172. 'संगाई' (Sangai) महोत्सव कब मनाते हैं?

- उत्तर: 21 से 30 नवंबर (मणिपुर)।

दक्षिण भारत और अन्य (Unique & Cultural)

173. 'आदि पेरुक्कु' (Aadi Perukku)

- राज्य: तमिलनाडु
- विवरण: इसे 'पदिनेत्तम पेरुक्कु' भी कहते हैं। यह मानसून त्योहार है जो कावेरी नदी के जल स्तर बढ़ने पर मनाया जाता है।
- Trick: 'पेरुक्कु' मतलब पानी बढ़ना (तमिल)।

174. 'थिरुवथिरा' (Thiruvathira)

- राज्य: केरल
- विवरण: यह केवल महिलाओं द्वारा भगवान शिव के लिए मनाया जाता है। (जैसे उत्तर भारत में करवा चौथ/तीज)।

175. 'कंबाला' (Kambala) बनाम 'जल्लीकट्टू' (Jallikattu)

- कंबाला: कर्नाटक (कीचड़ में भैंसा दौड़)।
- जल्लीकट्टू: तमिलनाडु (सूखी जमीन पर सांड/बैल पकड़ना)।

176. 'सूरजकुंड शिल्प मेला' (Surajkund Crafts Mela)

@kalashadow

- **राज्य: हरियाणा (फरीदाबाद)।**
- **विवरण: दुनिया का सबसे बड़ा शिल्प (Craft) मेला। हर साल फरवरी में लगता है। 2024 में पार्टनर देश तंजानिया था।**

177. 'मामल्लपुरम नृत्य महोत्सव' (Mamallapuram Dance Festival)

- **राज्य: तमिलनाडु**
- **विवरण: यह शोर मंदिर (Shore Temple) के पास आयोजित होता है। पल्लव वंश की कला।**

178. 'कोणार्क नृत्य महोत्सव' (Konark Dance Festival)

- **राज्य: ओडिशा**
- **विवरण: सूर्य मंदिर (Black Pagoda) के पास आयोजित होता है।**

179. 'रोहिणी' (Rohini)

- **राज्य: झारखंड**
- **विवरण: यह झारखंड का पहला त्योहार माना जाता है। इस दिन किसान खेतों में बीज बोना शुरू करते हैं। इसमें कोई नाच-गाना नहीं होता।**

180. 'चक्रधर समारोह' (Chakradhar Samaroh)

- **राज्य: छत्तीसगढ़ (रायगढ़)।**
- **विवरण: यह शास्त्रीय संगीत और नृत्य का त्योहार है। राजा चक्रधर सिंह (तबला वादक) की याद में।**

181. 'मरु महोत्सव' (Maru Mahotsav)

@Kal_Shadow

- स्थान: जैसलमेर (राजस्थान)।
- अन्य नाम: डेजर्ट फेस्टिवल।

182. 'ऊंट महोत्सव' (Camel Festival)

- स्थान: बीकानेर (राजस्थान)।
- याद रखें: मरु (जैसलमेर) और ऊंट (बीकानेर) अलग-अलग हैं।

183. 'थार महोत्सव' (Thar Mahotsav)

- स्थान: बाड़मेर (राजस्थान)।

184. 'कजली तीज' (Kajli Teej)

- स्थान: बूंदी (राजस्थान)।
- विवरण: यह सामान्य तीज से अलग है और भाद्रपद में मनाई जाती है।

185. 'श्रावणी मेला' (Shravani Mela)

- राज्य: झारखंड (देवघर)।
- लंबाई: यह एक महीने तक चलने वाला सबसे लंबा धार्मिक मेला है (कांवड़ यात्रा)।

Miscellaneous & Previous Year Special (PYQ)

186. 'हरेला' (उत्तराखंड) और 'हरेली' (छत्तीसगढ़) में क्या अंतर है?

- हरेला: फसल कटाई और वृक्षारोपण का त्योहार है।
- हरेली: कृषि औजारों (हल, फावड़ा) की पूजा है।

@KalaShadow

187. 'मांड' (Maand) और 'मांडू' (Mandu) में अंतर?

- मांड: राजस्थान का लोक गायन है।
- मांडू: मध्य प्रदेश का महोत्सव है।

188. 'फ्लोट फेस्टिवल' (Float Festival)

- राज्य: तमिलनाडु (मदुरै)।
- विवरण: मूर्तियों को पानी में तैराया जाता है।

189. 'पोला' (Pola) त्योहार में किस जानवर की पूजा होती है?

- उत्तर: बैल (Bull)।
- राज्य: महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़।

190. 'नवरह' (Navreh)

- राज्य: जम्मू और कश्मीर।
- विवरण: यह कश्मीरी पंडितों का नव वर्ष (New Year) है।
- Trick: नव (New) + रह (Kashmir)। (नवरोज़ पारसियों का है, नवरह कश्मीर का)।

191. 'लहसुंग' (Lasoong) त्योहार

- राज्य: सिक्किम।
- विवरण: फसल कटाई का जश्न।

192. 'नंदा देवी राज जात' (Nanda Devi Raj Jat)

- राज्य: उत्तराखंड।
- विवरण: यह 12 साल में एक बार होने वाली 280 किमी की पैदल तीर्थ यात्रा है। इसे "हिमालय का कुंभ" कहते हैं।

@Kaal_Shadow

193. 'सिक्कल सिंगारवेलर' (Sikkal Singaravelar)

- राज्य: तमिलनाडु।
- विवरण: मुरुगन भगवान से जुड़ा त्योहार।

194. 'कलपथी रथ महोत्सव'

- राज्य: केरल।
- नोट: रथ यात्रा सिर्फ ओडिशा में नहीं, दक्षिण में भी होती है।

195. 'नुआखाई' (Nuakhai) का शाब्दिक अर्थ क्या है?

- उत्तर: नुआ = नया, खाई = भोजन। (नया चावल खाना)।

196. 'पोंगल' में 'भोगी' (Bhogi) का क्या अर्थ है?

- उत्तर: पुरानी चीजों को जलाना और नई शुरुआत करना (पहला दिन)।

197. 'मेदाराम जात्रा' किस वंश के खिलाफ लड़ाई की याद दिलाता है?

- उत्तर: काकतीय वंश (Kakatiya Dynasty)।
- महत्व: अन्याय के खिलाफ आदिवासी विद्रोह।

198. 'मोत्स मोंग' (Moatsu Mong)

- राज्य: नागालैंड (एओ जनजाति)।
- अवधि: 3 दिन। अग्नि देवता की पूजा।

199. 'तवांग उत्सव' (Tawang Festival)

- राज्य: अरुणाचल प्रदेश।

@Kal_Shadow

- **विवरण:** याक नृत्य (Yak Dance) और अजिलामु नृत्य इसका हिस्सा हैं।

200. 'गीता जयंती' (Gita Jayanti)

- **स्थान:** कुरुक्षेत्र (हरियाणा)।
- **विवरण:** यह माना जाता है कि इसी स्थान पर कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। यह मार्गशीर्ष (नवंबर-दिसंबर) में मनाया जाता है।

Final Revision Summary (Exam Day Checklist):

1. **Odisha:** रथ यात्रा, नुआखाई, धनु जात्रा, बाली यात्रा, कोणार्क।
2. **Kerala:** ओणम, विशु, त्रिशूर पूरम, वल्लमकली (बोट रेस)।
3. **Tamil Nadu:** पोंगल, जल्लीकट्टू, थाईपुसम, पुथुंडु।
4. **Assam:** बिहू (3 प्रकार), अंबुबाची, माजुली।
5. **Nagaland:** हॉर्नबिल, मोअत्सु, सेक्रेनी।
6. **Manipur:** लाई हरोबा, संगाई, याओशांग (होली)।
7. **Telangana:** बोनालू, बतुकम्मा (फूल), मेदाराम जात्रा।

SSC GD - दिमाग शांत रखें और प्रश्न को ध्यान से पढ़ें (खासकर "नहीं है" वाले प्रश्न)।